अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2012) | दिनांक 24.12.2012

चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्नपत्र | पूर्णांक – 100

नव पदार्थ : आस्त्रव, संवर – 50

प्र.1 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 20

(क) आश्रव के बयालीस भेदों में मान और माया आश्रव का क्या अर्थ है?

(ख) ईर्यापथिकी क्रिया आश्रव किसे कहते हैं?

(ग) प्रतिक्रमण के पांच प्रकारों के नाम लिखें?

(घ) बाईस परीषहों का वर्णन कौन–कौन से आगमों में आता है?

(ड) अयोग संवर किसे कहते हैं?

(च) आश्रवों में स्वभाविक रूप कितने और क्रिया रूप कितने?

(छ) पाँचों चारित्र को संवर क्यों कहा गया है?

(ज) संज्ञा के कितने प्रकार हैं? नाम लिखें?

(झ) सामायिक चारित्र के कितने प्रकार हैं नाम लिखें?

(ञ) कुशील निर्ग्रन्थ किसे कहते हैं और इसके कितने प्रकार हैं?

(ट) निर्जरा अनुप्रेक्षा किसे कहते हैं?

(ठ) जीव प्रमादी कैसे होता है?

(ढ) अनुयोग द्वार में गुण–प्रमाण के कितने प्रकार बताए गए हैं?

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें – 10

(क) आश्रव अरूपी कैसे है?

(ख) लेश्या और योग में परस्पर क्या सम्बन्ध है?

(ग) गुप्ति किसे कहते हैं और उसके कितने भेद हैं?

(घ) संवर से सर्व आश्रवों का निरोध होता है या केवल पापाश्रवों का?

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें – 20

(क) आचार्य भिक्षु ने निरवद्य योग को आश्रव क्यों माना?

(ख) आश्रव और गुणस्थान के सम्बन्ध का विवेचन करें?

(ग) बाईस परीषहों का वर्णन करें?

(घ) द्रव्य संवर और भाव संवर को परिभाषित करें?

अवबोध : मनुष्यगति से शील धर्म – 30

प्र.4 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक या दो लाईन में लिखें – 8

(क) मनुष्य गति किसे कहते हैं?

(ख) तिर्यंच में गुणस्थान कितने होते हैं?

(ग) नरक की दीवारों का स्पर्श कैसा होता है?

(घ) जाति स्मृति कितने भावों की हो सकती है?

(ड) पाँच ज्ञान में भाषक व अभाषक कितने हैं?

(च) क्या सम्यक्त्व का उच्छेद (समांप्ति) हो सकता है?

(छ) क्या क्षायक सम्यक्त्वी उपशम श्रेणी पर चढ़ सकता है?

(ज) चारित्र किसे कहते हैं?

(झ) विसर्जन किसे कहते हैं?

(ञ) ब्रह्मचर्य का पालन कौन सा भाव कौन सी आत्मा?

प्र.5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 12

(क) मैथुन सेवन करने वाले के क्या जीव हिंसा का भी पाप लगता है?

(ख) समाज के व्यवहार को निभाना क्या धर्म नहीं है?

(ग) क्या परिहार विशुद्धि चारित्र की परम्परा चलती है?

(घ) क्षायिक सम्यक्त्व कौन–कौन से गुणस्थान में है?

(ङ) यथाख्यात चारित्र चरम शरीरी में होता है या अचरम शरीरी में?

(च) पंचेन्द्रिय के पाँच प्रकार कौन से हैं?

(छ) अकर्म भूमि और अन्तर्द्वीप के मनुष्यों में क्या चारित्र होता है?

(ज) नरक में निर्जरा के कितने भेद हो सकते हैं?

(झ) अकर्म भूमि में कितने क्षेत्र हैं?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 10

(क) छप्पन अन्तर्द्वीप कहाँ है?

(ख) साधारण वनस्पति के शरीर कितने छोटे होते हैं?

(ग) किस संहनन वाला जीव कौन सी नरक में जाता है?

(घ) सम्यक्त्व कौन–कौन से गुणस्थान में है?

प्र.7 कोई चार पद्य लिखें – 12

(क) सम्यग्दर्शन का महत्व (ख) गति में साधक

(ग) जड़ चेतन की शाश्वत सत्ता (घ) अचौर्य अणुव्रत

(ड.) गुणव्रत (च) श्रावक प्रतिमा

(छ) दैनिक प्रत्याख्यान में ''खाद्यों की सीमा'' वाला पद्य लिखें।

प्र.8 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 8

(क) जैनी–जीवन शैली का पहला आयाम कौन सा है और इसके आधारभूत तत्व कौन से हैं?

(ख) किस आधार पर कहा जा सकता है कि श्रमणोंपासक की श्रेणी तीर्थंकरों की कृति है?

(ग) श्रावक का दूसरा विश्राम कौन सा है?

(घ) इच्छापरिमाण रूपी तम्बू को टिकाने के लिए कौन सी खूंटियों की अनिवार्यता है?

(ङ) अहिंसा अणुव्रत के पाँच अतिचार कौन से हैं?

(च) भगवान महावीर की दृष्टि के अनुसार लोक की तीन परिभाषाएँ कौन सी हैं?